भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 744

जिसका उत्तर 04 फरवरी, 2026 को दिया जाना है

कोयला खान सुरक्षा प्रौद्योगिकी

744. श्री अरविंद धर्मापुरी

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत पाँच वर्षों के दौरान कोयला खनन संबंधी दुर्घटनाओं, मौतों और अनुपालन संबंधी कार्यों के वर्ष-वार आंकड़े क्या हैं;

(ख) खान सुरक्षा प्रौद्योगिकी के उपयोग की स्थिति क्या है;

(ग) कोयला खनन जिलों में पुनर्वास और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पर कितना व्यय हुआ है; और

(घ) सरकार द्वारा सतत खनन हेतु भूमि पुनरुद्धार और आजीविका सहायता सहित क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

कोयला एवं खान मंत्री

(श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) और (ख): वर्ष 2021-2025 के दौरान कोयला खनन दुर्घटनाओं और मौतों की संख्या निम्नानुसार है:-

वर्ष	घातक दुर्घटनाओं की संख्या	मृत्यु
2021	43	51
2022	24	28
2023	38	41
2024	38	49
2025*	44	54

*वर्ष 2025 का डेटा अनंतिम है।

श्रम और रोजगार मंत्रालय में खान सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएमएस) दुर्घटनाओं के कारणों की जांच करता है और कोयला कंपनियों द्वारा अनुपालन के लिए परिपत्र जारी करता है।

कोयला खानों में सुरक्षा के लिए निम्नलिखित प्रौद्योगिकियों का उपयोग किया जाता है:

1. सुरक्षित और स्वच्छ प्रचालन के लिए कंटीन्यूअस माइनर्स (भूमिगत खानें), सरफेस माइनर्स और वर्टिकल-रिपर्स (ओपनकास्ट खान) और हाई वॉल माइनिंग सहित **विस्फोट-रहित और पर्यावरण के अनुकूल खनन विधियों को अपनाना**।
2. **मशीनीकृत स्तर नियंत्रण प्रणालियां,** जिसमें उन्नत रुफ ड्रिलिंग मशीनें जैसे क्वाड बोल्टर, ट्विन बोल्टर और यूनिवर्सल ड्रिलिंग मशीन (यूडीएम), रुफ बोल्टिंग एंकरिंग के लिए रेजिन कैप्सूल और उन्नत स्तर निगरानी उपकरण शामिल हैं।
3. बेहतर सटीकता के लिए गैस क्रोमैटोग्राफ (जीसी) का उपयोग करके **उन्नत खान वायु विश्लेषण**।
4. चुनिंदा यूजी खानों में पर्यावरण टेली-मॉनिटरिंग सिस्टम (ईटीएमएस) और लोकल मीथेन डिटेक्टरों के माध्यम से **रियल-टाइम में खान वायु की निगरानी**।
5. डंप और बेंच स्थिरता का आकलन करने के लिए ओपनकास्ट खानों में **ढलान निगरानी प्रणाली** संस्थापित की गई है।
6. जीपीएस-सक्षम वाहन ट्रैकिंग सिस्टम (वीटीएस), ऑपरेटर इंडिपेंडेंट ट्रक डिस्पैच सिस्टम (ओआईटीडीएस), और जियो-फेंसिंग के माध्यम से **बढ़ी हुई परिवहन सुरक्षा**।
7. वीडियो-एनालिटिक्स-आधारित एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्रों (आईसीसीसी) के माध्यम से **रियल-टाइम सुरक्षा निगरानी**।
8. **आधुनिक प्रशिक्षण**, जिसमें एचईएमएम ऑपरेटरों के लिए सिम्युलेटर-आधारित प्रशिक्षण और वीआर-आधारित सुरक्षा प्रशिक्षण शामिल हैं।
9. **धूल नियंत्रण के उन्नत उपाय**, जैसे फोग कैनन, मिस्ट स्प्रे सिस्टम, व्हील वॉशिंग और मैकिनिकल स्वीपर।

(ग) कोयला पीएसयू द्वारा कोयला खान जिलों में पुनर्वास और कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पर किए गए व्यय का विवरण **अनुबंध-I** में दिया गया है।

(घ) सरकार ने संधारणीय खनन के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनमें भूमि पुनरूद्धार और आजीविका सहायता शामिल है। प्रमुख कदमों में निम्नलिखित शामिल हैं:

1. **विस्फोट मुक्त, पर्यावरण के अनुकूल सुरक्षित खनन प्रौद्योगिकियां**: सरफेस मानइर्स ओपनकास्ट खानों में संस्थापित किए गए हैं; भूमिगत (यूजी) खानों में कंटिन्युअस माइनर्स जैसी उन्नत व्यापक उत्पादन वाली प्रोद्योगिकियां (एमपीटी) संस्थापित की गई

हैं; और सुरक्षित, स्वच्छ और अधिक कुशल प्रचालन सुनिश्चित करने के लिए खानों में हाईवॉल खनन।

2. **फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी की स्थापना:** कोयला परिवहन और रेक लोडिंग संचालन के मशीनीकरण को सुनिश्चित करने के लिए फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी (एफएमसी) परियोजनाओं की स्थापना, जिससे उच्च दक्षता के साथ पर्यावरण के अनुकूल संचालन हो सके।

3. **जैव-सुधार/वृक्षारोपण:** खनित क्षेत्रों के पर्यावरण पुनुरूद्धार हेतु ओवरबर्डन डंप का स्थिरीकरण, कोयला रहित क्षेत्रों की बैकफिलिंग, ओबी डंप और खाली भूमि पर देशी पौधों की प्रजातियों के साथ व्यापक वृक्षारोपण जैसी प्रगतिशील और अंतिम रूप से खान बंद करने की गतिविधियां।

4. **इको-पार्कों का विकास:** भूमि पुनरूद्धार और सतत विकास पहलों के लिए पुनरूद्धारित खनन क्षेत्रों में इको-पार्कों का विकास।

5. **जल निकायों का विकास**: सिंचाई, मछली पालन और भूजल स्थिरीकरण के लिए और शोधन के बाद घरेलू उपयोग के लिए भी अंतिम खान वॉयड में जल निकाय का उपयोग।

6. **कौशल विकास और आजीविका कार्यक्रम**: परियोजना प्रभावित परिवारों के लिए कौशल विकास और आजीविका वृद्धि कार्यक्रम नियमित रूप से शुरू किए जाते हैं। लाभार्थियों को हस्तशिल्प, मुर्गी पालन, मशरूम की खेती, परिधान और पोशाक बनाने, सौर प्रणाली की संस्थापना और रखरखाव, वेल्डिंग और गढ़ाई, खाद्य और पेय प्रबंधक प्रशिक्षण, मोबाइल मरम्मत आदि में प्रशिक्षित किया जाता है।

*****

अनुबंध-I

कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल)

कोयला खान जिलों में पिछले पांच वर्षों के दौरान सीआईएल और इसकी सहायक कंपनियों द्वारा पुनर्वास पर किए गए व्यय का ब्यौरा निम्नानुसार है।

वर्ष	पुनर्वास पर व्यय (₹ करोड़)
2020-21	47.672
2021-22	26.396
2022-23	69.036
2023-24	119.266
2024-25	21.9612
सीआईएल कुल जोड़	**284.3312**

सीएसआर पर व्यय: पिछले पांच वित्तीय वर्षों (2020-21 से 2024-25) के दौरान सीआईएल की सहायक कंपनियों के कोयला खान जिलों में सीएसआर व्यय निम्नानुसार है: -

क्र.सं.	**राज्य**	**जिला**	**वित्त वर्ष 20-21 से 24-25 के दौरान सीएसआर व्यय (₹ करोड़)**
1	असम	तिनसुकिया	3.01
	कुल - असम		**3.01**
2	छत्तीसगढ़	बलरामपुर - रामानुजगंज	4.17
3	छत्तीसगढ़	बिलासपुर	33.01
4	छत्तीसगढ़	कोरबा	41.18
5	छत्तीसगढ़	कोरिया	4.24
6	छत्तीसगढ़	मनेंद्रगढ़-चिरिमिरी-भरतपुर	0.00
7	छत्तीसगढ़	रायगढ़	20.91
8	छत्तीसगढ़	सूरजपुर	6.35
9	छत्तीसगढ़	सरगुजा	8.31
10	छत्तीसगढ़	कई खनन जिलों में चल	28.42

		रही परियोजनाओं पर व्यय	
	कुल - छत्तीसगढ़		**146.59**
11	झारखंड	बोकारो	20.39
12	झारखंड	चतरा	27.53
13	झारखंड	देवघर	5.01
14	झारखंड	धनबाद	53.66
15	झारखंड	गिरिडीह	6.75
16	झारखंड	गोड्डा	16.28
17	झारखंड	हजारीबाग	13.78
18	झारखंड	लातेहार	10.44
19	झारखंड	रामगढ़	13.33
20	झारखंड	रांची	56.58
21	झारखंड	पाकुर	0.00
22	झारखंड	पलामू	4.86
23	झारखंड	कई खनन जिलों में चल रही परियोजनाओं पर व्यय	68.37
	कुल - झारखंड		**296.98**
24	मध्य प्रदेश	अनुपपुर	14.87
25	मध्य प्रदेश	बेतुल	6.32
26	मध्य प्रदेश	छिंदवाड़ा	9.47
27	मध्य प्रदेश	शहडोल	2.70
28	मध्य प्रदेश	सिंगरौली	474.31
29	मध्य प्रदेश	उमरिया	4.28
30	मध्य प्रदेश	कई खनन जिलों में चल रही परियोजनाओं पर व्यय	0.08
	कुल - मध्य प्रदेश		**512.03**
31	महाराष्ट्र	चंद्रपुर	26.16
32	महाराष्ट्र	नागपुर	89.98

33	महाराष्ट्र	यवतमाल	2.07
34	महाराष्ट्र	कई खनन जिलों में चल रही परियोजनाओं पर व्यय	0.00
	कुल - महाराष्ट्र		**118.21**
35	ओडिशा	अंगुल	306.37
36	ओडिशा	झारसुगुडा	146.20
37	ओडिशा	सुंदरगढ़	100.68
38	ओडिशा	संबलपुर	96.88
39	ओडिशा	कई खनन जिलों में चल रही परियोजनाओं पर व्यय	0.00
	कुल - ओडिशा		**650.13**
40	उत्तर प्रदेश	सोनभद्र	152.91
	कुल - उत्तर प्रदेश		**152.91**
41	पश्चिम बंगाल	बांकुरा	0.00
42	पश्चिम बंगाल	उत्तर 24 परगना	5.41
43	पश्चिम बंगाल	पश्चिम बर्धमान	18.69
44	पश्चिम बंगाल	पुरुलिया	1.13
45	पश्चिम बंगाल	कई खनन जिलों में चल रही परियोजनाओं पर व्यय	2.88
	कुल - पश्चिम बंगाल		**28.11**
46	कुल - कई खनन जिलों में चल रही परियोजनाओं पर व्यय		2.10
	कुल जोड़ - सीआईएल		**1910.07**

नेयवेली लिग्नाइट कॉर्पोरेशन इंडिया लिमिटेड (एनएलसीआईएल)

एनएलसीआईएल खानों में पुनर्वास पर व्यय निम्नानुसार है:

- नेयवेली क्षेत्र में परियोजनाओं के लिए अधिग्रहित भूमि के संबंध में, एनएलसीआईएल द्वारा दिनांक 25.01.2026 तक प्रदान किया गया आर एंड आर पर व्यय (एनआरआरपी-2007 और आरएफसीटीएलएआरआर अधिनियम, 2013 के अनुसार

एनएलसीआईएल की मौजूदा आर एंड आर नीति के तहत निम्नलिखित तालिका में प्रस्तुत किया गया है।

क्र.सं.	आर एंड आर लाभों की प्रकृति	कुल धनराशि
1	पुनर्वास भत्ते के लिए भुगतान की गई अनुग्रह राशि	348.23 लाख रुपए
2	सरकारी भूमि पर मकान संरचना के लिए भुगतान की गई अनुग्रह राशि	493.82 लाख रुपए
3	घर के बदले में निर्माण लागत	3750 लाख रुपए
4	परिवहन, रखरखाव और निर्वाह भत्ते का भुगतान	638.32 लाख रुपए
5	मवेशी शेड, छोटी दुकान भत्ते का भुगतान	3.30 लाख रुपए
6	पुनर्वास केन्द्रों के विकास के लिए व्यय	1364.38 लाख रुपए
7	पुनर्वास केन्द्रों के रखरखाव, सुविधाओं और रखरखाव के लिए वर्तमान खपत सहित आवर्ती व्यय	300.00 लाख रुपए प्रति वर्ष (लगभग)
8	रोजगार के बदले एक बारगी पुनर्वास अनुदान (1457 व्यक्ति)	3989 लाख रुपए

- इसके अलावा, एनएलसीआईएल के तालाबीरा II और III ओसीपी में, संबलपुर जिले में पुनर्वास के लिए कुल 61.81 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं।

वित्त वर्ष 2025-26 में जनवरी 2026 तक कोयला खान जिलों में एनएलसीआईएल द्वारा सीएसआर व्यय निम्नानुसार है:

कोयला खान राज्य /जिला	**व्यय (जनवरी, 26 तक) (करोड़ रुपये में)**
कुड्डालोर (तमिलनाडु)	16.42
बीकानेर (राजस्थान)	2.81
संबलपुर, झारसुगुडा (ओडिशा)	1.84
कुल	**21.07**

सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल)

पिछले तीन वर्षों में एससीसीएल का सीएसआर व्यय निम्नानुसार है:

क्र.सं.	वित्तीय वर्ष	स्वीकृत सीएसआर बजट (₹)
1	2022-23	43.05 करोड़

2	2023-24	38.08 करोड़
3	2024-25	107.88 करोड़

वित्त वर्ष 2025-26 के लिए, अनुमोदित सीएसआर बजट 156 करोड़ रुपए है।

वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान एससीसीएल द्वारा किए गए प्रमुख सीएसआर कार्य निम्नानुसार हैं:

- यूपीएससी में सफलता पाने वाले सिविल सेवा उम्मीदवारों को वित्तीय सहायता - ₹2.02 करोड़
- जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, हनुमाकोंडा में सेना भर्ती रैली - ₹0.20 करोड़
- 7 स्थानों पर रोजगार मेले का आयोजन - 1.48 करोड़ रुपये
- मंदमारी में सामग्री/उपकरण खरीद और कॉस्मेटोलॉजी प्रशिक्षण - ₹0.07 करोड़
- गवर्नमेंट जूनियर कॉलेज, गवर्नमेंट हाई स्कूल और सीएचसी, लक्सेटिपेट (मंचेरियल) में बुनियादी सुविधाएं - ₹2.00 करोड़
- गवर्नमेंट बीसी गर्ल्स हॉस्टल, जयपुर का बुनियादी ढांचा विकास और नवीनीकरण - ₹0.1645 करोड़
- प्रमुख नालों (कट्टुवागु और मोटलावगु) - मनुगुरु नगर पालिका से गाद निकालना - ₹0.83 करोड़
- मनुगुरु क्षेत्र में नए जल निकायों का निर्माण - ₹0.413 करोड़
- समिति सिंगारम, थिर्लापुरम और बेस्थागुडेम गांवों - मनुगुरु क्षेत्र में 3 जल निकायों से गाद निकालना - ₹1.13 करोड़
- कोडिपुंजुलवागु-मनुगुरु क्षेत्र से गाद निकालना - ₹0.547 करोड़
- एसटीपीपी के पास जयपुर मंडल में जल निकायों का पुनरूद्धार - ₹0.508 करोड़
- कोठागुडेम के पास पेनगड्डपा गांव में बुनियादी ढांचे का विकास - ₹1.555 करोड़
- ग्रामीण विकास कार्य - वायरा निर्वाचन क्षेत्र - ₹2.00 करोड़
- ग्रामीण विकास कार्य - सथुपल्ली निर्वाचन क्षेत्र - ₹2.00 करोड़
- थुम्मलापल्ली गांव (पेनुबल्ली मंडल) में ग्रामीण विकास परियोजनाएं - ₹0.92 करोड़
- सेंट्रल लाइटिंग संबंधी कार्य - भूपालपल्ली निर्वाचन क्षेत्र - ₹1.50 करोड़
- ग्रामीण विकास कार्य - भूपालपल्ली निर्वाचन क्षेत्र - ₹2.00 करोड़
- ग्रामीण विकास कार्य - आसिफाबाद निर्वाचन क्षेत्र - ₹2.00 करोड़
- नैनी क्षेत्र के छेंदीपाड़ा गांव में विकास कार्य - ₹5.00 करोड़

*****